सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 29 JULY TO 04 AUGUST 2022 • VOLUME-02 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

भाग्य उन्हीं का साथ देता है
जो कठिन से कठिन
स्थितियों में भी
अपने लक्ष्य के प्रति
अडिग रहते हैं...

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

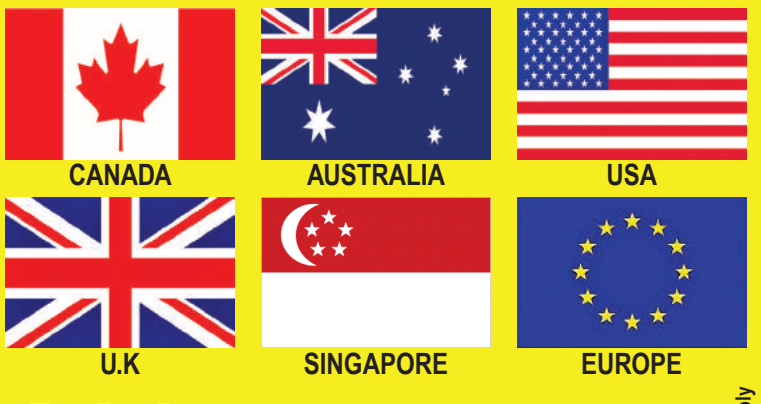

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

पार्थ चटर्जी की करीबी के चौथे घर की तलाशी

एक दिन पहले मिले थे करीब 30 करोड़ रुपये

कोलकाता (एजेंसी) : भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी को सभी पदों से हटा दिया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कार्रवाई की है। अभिषेक बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी सूचना दी। इससे पहले गुरुवार को बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी के चौथे घर की तलाशी ली गई। गौरतलब है कि अर्पिता मुखर्जी के एक अन्य घर की तलाशी में करीब 30 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी। केंद्रीय बलों के जवानों के साथ जांच एजेंसी के अधिकारी आज कोलकाता के चिनार पार्क स्थित एक अपार्टमेंट पहुंचे। उन्होंने तलाशी के लिए बंद पड़े फ्लैट का ताला खोला। शिक्षा भर्ती घोटाला मामले में की गई छापेमारी के अंतर्गत इससे पहले, अर्पिता के एक अन्य फ्लैट से करीब 29 करोड़ रुपये की नकदी और पांच किलो स्वर्ण आभूषण बरामद किए गए थे। पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी को 23 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ के दौरान अर्पिता मुखर्जी ने कई सारे चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान सामने आया है कि सारे पैसे पैक करके एक ही कमरे में रखे जाते थे। इस रूम में पार्थ चटर्जी और उनके लोग ही अंदर आते थे। अर्पिता मुखर्जी के अनुसार, पार्थ चटर्जी हर हफ्ते या 10 दिन में एक बार आते थे। उन्होंने कहा कि पार्थ मेरे घर को और एक और महिला के घर को मिनी बैंक की तरफ इस्तेमाल करते थे, वो महिला भी पार्थ की अच्छी दोस्त

है। पार्थ कभी ये नहीं बताते थे कि कितना पैसा है। अर्पिता की पार्थ से मुलाक़ात पश्चिम बंगाल की अभिनेत्री ने करवाई थी. उसकी 2016 से पार्थ से दोस्ती थी। लेकिन गलत गतिविधियां 2 साल पहले से शुरू हुईं थी। ये पैसा एसएससी एग्जाम के अलावा ट्रांसफर ,कॉलेजों को मान्यता दिलवाने जैसे कामों से आता था। पैसा हमेशा पार्थ के लोग लेकर आते थे पार्थ नहीं। वहीं ईडी को पार्थ के घर से 2012 टीईटी एग्जाम के भी दस्तावेज मिले हैं। अर्पिता ने कई संपत्तियों के बारे में भी बताया है। एक ब्रोकर और एक बड़े कारोबारी का ज़िक्र भी किया गया है। इनके यहां भी ईडी ने छापेमारी की है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्थ चटर्जी को मत्री पद से हटा दिया है। पश्चिम बंगाल सरकार की एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बाबत सूचना दी गई कि पार्थ चटर्जी को तत्काल प्रभाव से सारी जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा रहा है।

नौजवानों के लिए वोटर सूची में नाम दर्ज करवाने का मौका

चंडीगढ़. 17 साल से अधिक उम्र के नौजवान अब वोटर सूची में अपना नाम दर्ज करवाने के लिए पहले ही अजऱ्ी दे सकते हैं और उनके लिए साल की 1 जनवरी को 18 साल की उम्र पूरी करने सम्बन्धी निर्धारित मापदंड की एंट्री करना लाज़िमी नहीं है। मुख्य चुनाव कमिश्नर श्री राजीव कुमार और चुनाव कमिश्नर श्री अनूप चंद्र पांडे के नेतृत्व वाले भारत निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों के सीईओज़/ईआरओज़/एईआरओज़ को निर्देश दिए हैं कि वह तकनीक-अधारित हल ढूँढें, जिससे नौजवानों को वोटर सूची में नाम दर्ज करवाने सम्बन्धी 1 जनवरी के साथ -साथ तीन योग्यता तारीख़ें 01 अप्रैल, 01 जुलाई और 01 अक्तूबर के संदर्भ में अपने अग्रिम आवेदन पत्र दायर करने की सुविधा दी जा सके।

पंजाब पुलिस ने एटीएस गुजरात को हेरोइन मामले में वांछित नशा-तस्कर को किया गिरफ्तार

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़/ अमृतसर

गुजरात और महाराष्ट्र के बंदरगाहों से बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद करवाने के उपरांत पंजाब पुलिस द्वारा आज एक अंतर-राज्यीय नशा-तस्कर को गिरफ्तार करके बड़ी सफलता हासिल की गई है। यह जानकारी देते हुए डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने बताया कि यह नशा-तस्कर एटीएस गुजरात को 126 किलो हेरोइन के मामले में वांछित था।

पकड़े गए मुलज़िम की पहचान राजबीर सिंह, निवासी शहीद उधम सिंह नगर, तरन तारन रोड, अमृतसर के रूप में हुई है। यह सफलता पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों पर पंजाब पुलिस द्वारा

नशों के विरुद्ध चलाई जा रही जंग के दौरान सामने आई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पड़ताल के दौरान पुलिस टीमों ने उसकी टोयटा ग्लैन्ज़ा कार में से 128 ग्राम हेरोइन और 9,60,000 रुपए की ड्रग मनी समेत भार तोलने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद की है। पुलिस द्वारा टोयटा ग्लैन्ज़ा कार को भी ज़ब्त कर लिया गया है।

लुधियाना इम्परूवमैंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन व 5 अन्यों पर केस दर्ज, पीए सन्दीप शर्मा गिरफ्तार

भ्रष्टाचार के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरैंस पॉलिसी के मद्देनज़र पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने गुरूवार को लुधियाना इम्परूवमैंट ट्रस्ट (एल.आई.टी.) के पूर्व चेयरमैन रमन बालासुब्रमण्यम समेत कार्यकारी अधिकारी कुलजीत कौर, एस.डी.ओ. अंकित नारंग, सेल्ज क्लर्क प्रवीन कुमार, क्लर्क गगनदीप और चेयरमैन के पी.ए. सन्दीप शर्मा के ख़िलाफ़ आपराधिक मामला दर्ज किया है। इस मामले में मुलज़िम पी.ए. सन्दीप शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है और अगली जाँच जारी है।

राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो ने एल.आई.टी. के जूनियर सहायक हरमीत सिंह और कार्यकारी अधिकारी कुलजीत कौर को रिश्वतख़ोरी के एक मामले में 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए 14 जुलाई को रंगे हाथों काबू किया था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं 7, 7 ए और 120-बी आइपीसी के तहत पहले ही थाना विजीलैंस लुधियाना में एफआईआर नंबर 8 तारीख़ 14.07.2022 को दर्ज की हुई है।

रिश्वत लेने के दोष में ए.एस.आई. गिरफ्तार

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा रिश्वतखोरी के दो अलग-अलग मामलों में एक सहायक सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक राजस्व पटवारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अगली कार्यवाही आरंभ कर दी है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि थाना सदर होशियारपुर में तैनात ए.एस.आई. दलजीत कुमार को शिकायतकर्ता मोनिका, निवासी होशियारपुर से 10,000 रुपए की रिश्वत लेने के दोष में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो को टोल फ्री नंबर पर शिकायत दी थी।

भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में विजीलैंस जांच के बाद विजीलैंस ब्यूरो द्वारा कोटकपूरा तहसील में तैनात राजस्व पटवारी निर्भय सिंह के विरुद्ध रिश्वतखोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कस्टम मिलिंग पॉलिसी को हरी झंडी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

राज्य के किसानों के हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से पहल करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने खरीफ की फ़सल के मंडीकरण सीजन-2022-23 के लिए धान की मिलिंग के लिए 'द पंजाब कस्टम मिलिंग पॉलिसी' को मंजूरी दे दी है, जिससे खऱीदे गए धान को राज्य में स्थापित चावल मिलों के द्वारा धान से चावल निकालने के उपरांत भारतीय खाद्य निगम को मुहैया करवाए जा सकें। यह फ़ैसला आज सुबह पंजाब सिविल सचिवालय-1 में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता अधीन हुई मंत्री मंडल की मीटिंग के दौरान लिया गया।

यह खुलासा करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह नीति पंजाब की खरीद एजेंसियों (पनग्रेन, मार्कफैड, पनसप, पंजाब राज्य गोदाम निगम और भारतीय खाद्य निगम) द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार खऱीदे जाने वाले धान की मिलिंग को समय पर केंद्रीय पूल में देने के लिए तैयार की जाती है। इस नीति के मुताबिक विभाग द्वारा जारी किए गए खरीद केन्द्रों की अलॉटमैंट सूची के मुताबिक चावल मिलों की खरीद केन्द्रों के साथ लिन्किंग भी समय पर कर दी जाएगी। राज्य की खरीद एजेंसियाँ और चावल मिलों के दरमियान समझौते और योग्यता के मुताबिक मंडियों से धान की फ़सल योग्य चावल मिलों में भंडार किया जाएगा।

यह नीति और समझौता निर्धारित करता है कि चावल मिल मालिक भंडार हुए धान के बनते चावल 31 मार्च, 2023 तक मुहैया करना होगा। सावन की फ़सल मंडीकरण सीजन-2022-23 एक अक्तूबर, 2022 से शुरू होकर 30 नवंबर तक मुकम्मल होगा। इस सीजन के दौरान खऱीदे जाने वाले धान को राज्य में योग्य चावल मिलों में भंडार किया जाएगा।

पंजाब खेल मेला 29 अगस्त से

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर खेल विभाग द्वारा राज्य में खिलाड़ियों की प्रतिभा की पहचान, खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के मंतव्य के अंतर्गत पंजाब खेल मेला करवाया जा रहा है, जिसमें अंडर 14 से 60 साल वैटर्न ग्रुप तक 30 खेल के मुकाबले करवाए जाएंगे। ब्लॉक से राज्य स्तर तक चलने वाले इस खेल मेले की शुरुआत राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को होगी, जो दो से तीन महीने तक चलेगा। पहली बार छह वर्गों के ब्लॉक स्तर के मुकाबले होंगे। यह जानकारी खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने दी। पंजाब के 3 लाख के करीब खिलाड़ियों की हिस्सेदारी होगी। मान्यता प्राप्त खेल मुकाबलों के विजेता खिलाड़ी जहाँ अपने-अपने खेल में ग्रेडिंग करवा सकेंगे, वहीं राज्य स्तर के विजेताओं को 5 करोड़ रुपए के नकद ईनाम और सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। खेल मेले के उद्घाटन या समाप्ति समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री विशेष रूप से शिरकत करेंगे।

बिना नेट प्रैक्टिस के मैदान में जाने के कारण क्लीन बोल्ड हो रहे आम आदमी पार्टी के विधायक

Image Source : IndiaMART

कुछ विधायक अपने स्तर पर बिना तैयारी के लोगों और मीडिया कर्मियों को साथ में लेकर प्रशासनिक कार्यालयों में छापे मार रहे हैं। जिस पर विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने साथ हो रहे इस तरह के व्यवहार को लेकर खुश नहीं नजर आ रहे हैं...

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पंजाब के लोगों ने कुछ महीने पहले हुए विधान सभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को 92 सीट जितवा कर इतिहास रचा था और लोगों को लगने लगा है कि सरकारी कार्यालयों में उनके रुके हुए काम अब जल्द से जल्द होने शुरू हो जाएंगे और ऐसा ही पार्टी द्वारा अपनी चुनावी रैलियों में भी पंजाब की जनता को आश्वासन दिया गया था।

हालांकि मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार द्वारा कई ऐसे निर्णय लिए गए जिससे पंजाब की जनता को कुछ राहत मिलने लगी है। जिनमें से मुख्य रूप से एंटी करप्शन हेल्पलाइन, पंजाब से दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक सरकारी बसों का परिचलन, जुलाई से शुरू हुए 600 यूनिट मुफ्त बिजली और कई रसूकदारों से पंचायती ज़मीन के कब्जे छुड़वा कर सरकार को वापिस दिलवाना और यह सब कुछ मुमकिन तब हो पाया जब उनकी तरफ से प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वार्तालाप और उनके द्वारा नोटिफिकेशन ज़ारी करने से पहले कागजी कार्रवाई को पूरा किया जाना सबसे महत्वपूर्ण माना गया है।

लेकिन सरकार द्वारा जहां पूरी तैयारी के साथ मैदान में अपनी हर एक योजना को

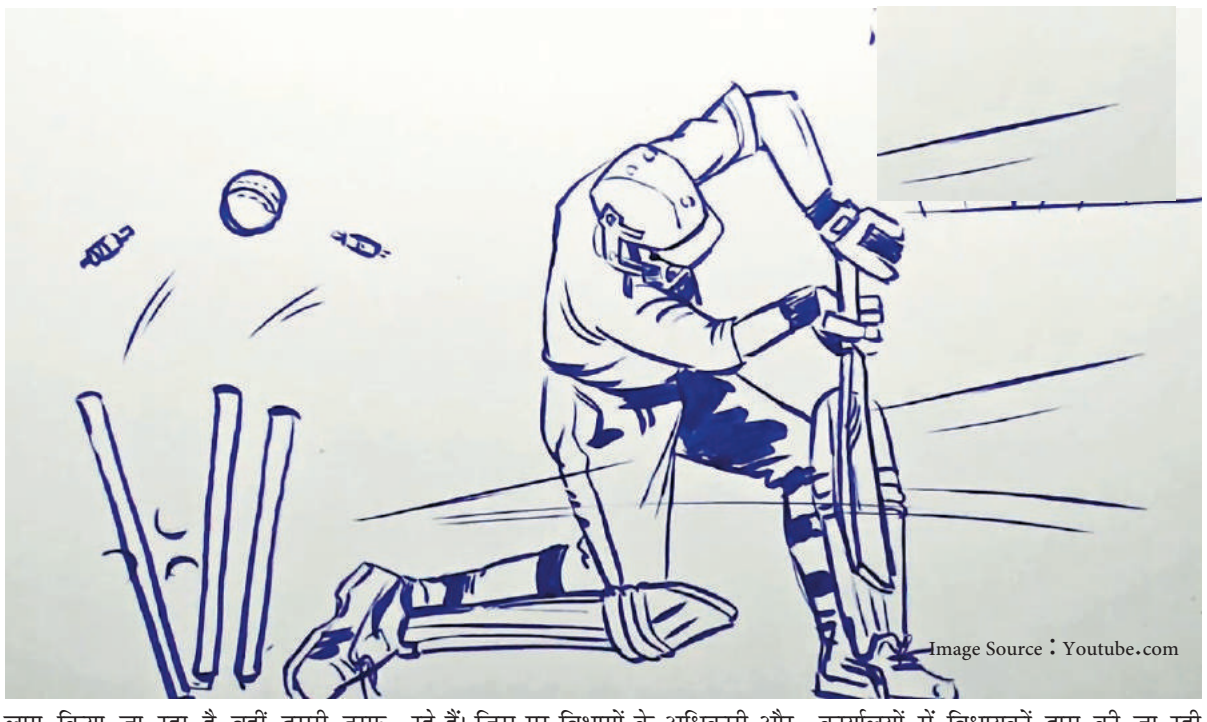

Image Source : Youtube.com

लागू किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ कुछ विधायक अपने स्तर पर बिना तैयारी के लोगों और मीडिया कर्मियों को साथ में लेकर प्रशासनिक कार्यालयों में छापे मार रहे हैं। जिस पर विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने साथ हो रहे इस तरह के व्यवहार को लेकर खुश नहीं नजर आ रहे हैं और उनके द्वारा कई बार प्रशासनिक कार्यालयों में विधायकों द्वारा की जा रही दखलअंदाजी को लेकर स्ट्राइक करने का निर्णय लिया जाता रहा है। पिछले कुछ महीनों से अक्सर देखा जा रहा है कि कुछ विधायक बिना किसी तथ्य के ही अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं और साबित न कर पाने की स्थिति में उन्हें बाद में माफ़ी भी मांगनी पड़ रही है।

जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा एक निजी चैनल की इंटरव्यू में कहा गया था कि वह कुछ भी बोलने या सरकारी स्कीम को लागू करने से पहले उसे स्टडी करते हैं और अधिकारियों से पूछते हैं कि वह उक्त स्कीम संबंधी आधिकारिक रूप से बोल सकते हैं कि नहीं ताकि उन्हें उसे लागू करते समय किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

परन्तु कुछ विधायक जिन्हें लोगों के काम करवाने से पहले उन सब चीज़ों को खुद समझना चाहिए और बाद में अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करना चाहिए कि जिन लोगों के कार्य संबंधी वह आए हैं आखिर वह सरकारी नियमों के मुताबिक हो भी सकता है कि नहीं। क्यूंकि सरकार द्वारा हर विभाग में कार्य करने के लिए अलग-अलग नियम बनाए गए हैं।

अक्सर कहा जाता है कि वही खिलाड़ी ज्यादा देर तक खेलता है जो मैदान में उतरने से पहले खूब नेट प्रैक्टिस करके आया हो जिससे उसे जाते ही क्लीन बोल्ड न होना पड़े।

विदेश घूमने का है मन? बिना वीजा इन 60 देशों की यात्रा कर सकते हैं भारतीय

भारत में रहने वाला हर एक व्यक्ति विदेश घूमने का सपना देखता है। क्या आप जानते हैं कि भारत के पासपोर्ट से आप 60 देशों में वीजा-फ्री ट्रैवल कर सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

यूं तो भारत में घूमने के लिए काफी सारी जगह हैं, लेकिन फिर भी लोगों के मन में विदेश घूमने की ख्वाहिश होती है। हालांकि कई बार प्लान बनने से पहले फ्लॉप हो जाता है। खासकर ये प्लान वीजा के चक्कर में ही कैंसिल होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप बिना वीजा के भी वीदेश यात्रा पर जा सकते हैं यहां हम बता रहे हैं बिना वीजा ट्रैवल के देश...

हाल ही में आई हेनले पासपोर्ट इंडेक्स रिपोर्ट में भारत 87वें स्थान पर है, ये एक वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग चार्ट जो 199 पासपोर्टों में 'सबसे मजबूत' और 'सबसे कमजोर' रैंक करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन प्राधिकरण (आईएटीए) के डेटा का इस्तेमाल करता है। भारत के पासपोर्ट की बात करें तो ये 60 देशों को वीजा फ्री ट्रैवल की अनुमति देता है।

WITHOUT VISA TOUR

जिन देशों में भारतीयों की 'वीजा-ऑन-अराइवल' पहुंच है, उनमें थाईलैंड, इंडोनेशिया, मालदीव और श्रीलंका जैसे एशियाई डेस्टिनेशन शामिल हैं। अफ्रीका में 21 देश ऐसे भी हैं जो भारतीय नागरिकों को ऑन-अराइवल वीज देता है। ऐसा करने के लिए केवल दो यूरोपीय देश हैं।

- **ओशिनिया :** कुक आइलैंड, फिजी, मार्शल आइलैंड, नीयू, समोआ, वनुआतू, तुवालू, पलाऊ आइलैंड, माइक्रोनेशिया
- **मिडल ईस्ट :** ईरान, ओमान, जोर्डन, कतर
- **यूरोप :** अलबानिआ, सर्बिया
- **कैरेबियन :** बर्बाडोज, ब्रिटिश वर्जिन आईलैंड, डोमिनिका, हाइती, ग्रेनाडा, जमाइका, मोंटसेराट, सेंट लूसिया, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, जमैका, सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस
- **एशिया :** भूटान, इंडोनेशिया, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका, तिमोर लेस्टे, कम्बोडिया, लाओस, मालदीव, नेपाल, थाईलैंड
- **अमेरिका :** बोलिविया, एल सेल्वाडोर
- **अफ्रीका :** बोत्सवाना, बुरुंडी, कैप वेर्डे आइलैंड, कोमोरो आईलैंड, इथिओपिया, गबौन, गिनी बिसाऊ, मेडागास्कर, मौरिसिस, मॉरिटानिया, मोजाम्बिक, रवांडा, स्नेगल, सियाचल, सियेरा लिओन, सोमालिया, तंजानिया, टोगो, युगांडा, तुनिसिया, जिमबावे

कम बजट में पूरी होगी विदेश यात्रा, आईआरसीटीसी लेकर आया नेपाल का बेहतरीन पैकेज।

CLOTHING SENSE+

स्टाइलिश दिखने के लिए अलग-अलग तरह से स्टाइल करें पोलका डॉट आउटफिट

आटफिट कोई भी हो अगर सही तरह से स्टाइल की जाए तो आप अच्छी ही लगती हैं। यहां हम बता रहे हैं पोल्का डॉट आउटफिट को कैसे आप स्टाइल कर सकती हैं...

कुछ फैशन ट्रेंड कभी खत्म नहीं होते। वह लौट-लौट कर ट्रेंडी वापस आते हैं। इनमें से एक है पोलका डॉट आउटफिट्स। पोलका डॉट्स को कई लोग इसे 'बॉबी प्रिंट' के नाम से भी जानते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि डिम्पल कपाड़िया ने 'बॉबी' फिल्म में पोलका डॉट की ड्रेसेस को कैरी किया था। पोलका डॉट में कई तरह के स्टाइल आते हैं। कुछ बड़े प्रिंट के होते हैं तो कुछ छोटे डॉट्स वाले। ऐसे में यहां देखें पोलका आउटफिट को स्टाइल करने की टिप्स।

पोलका डॉट जंपसूट या ओवरऑल ड्रेस

क्लासिक ब्लैक एंड व्हाइट पोलकाडॉट्स लुक आपके आउटफिट को रॉक करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। आप जंपसूट या एक फुल ड्रेस को पहन सकते हैं। इसके साथ आप एक बेल्ट, एक स्ट्रॉ हैंडबैग, गले में बंधा हुआ धूप का चश्मा और सैंडल की एक नीयन जोड़ी के साथ टीम करें।

अलग-अलग आकार की पोलका डॉट्स करें पेयर

कलर ब्लॉकिंग की तरह ही, आप अलग-अलग आकार के पोलका डॉट्स के अपने पसंदीदा पीस को भी एक साथ पहन सकते हैं और एक परफेक्ट ड्रेस बना सकते हैं। इसके लिए एक छोटे आकार के पोलका डॉट्स टॉप के साथ एक बड़े आकार की पोलका डॉट्स स्कर्ट पहन सकते हैं।

दो तरह के रंग वाले पोलका डॉट्स

अपने पोलका डॉट आउटफिट को स्टाइल करने का एक और शानदार तरीका एक कॉन्ट्रास्टिंग कलर लेना है जो आपके टॉप और बॉटम दोनों को हाइलाइट करता है। जैसे आप एक काले रंग की पोलका डॉट शर्ट ले सकते हैं और इसे एक सफेद पोलका डॉट स्कर्ट, पैंट या अपनी पसंद के किसी भी बॉटम के साथ जोड़ सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

- अगर हाइट छोटी है, तो आप छोटे डॉट वाली ड्रेसेस कैरी करें।
- पोलका डॉट की शर्ट या टॉप कैरी करने के साथ सॉलिड यानी प्लेन टाउजर कैरी कर सकती हैं।
- पोलका डॉट को किसी मैचिंग टाउजर और ब्लेजर के साथ पहन सकती हैं।
- आप पोलका डॉट का स्कार्फ या स्टॉल पहन सकते हैं। डियर गर्ल्स, गलत ब्रा पहनने पर खराब हो जाती है ब्रेस्ट शेप, खरीदते समय ध्यान रखें ये बातें।

मानसून का मजा डबल कर देंगे गरमागरम भुट्टे के पकौड़े

मानसून सीजन शुरु होते ही ज्यादातर घरों में आलू-प्याज से बने पकौड़ों की डिमांड भी बढ़ जाती है। क्यों न इस बार भुट्टे के पकौड़ों का मजा लिया जाए। ये पकौड़े खाने में बेहद स्वादिष्ट होते हैं ...

मानसून सीजन शुरू होते ही ज्यादातर घरों में आलू-प्याज से बने पकौड़ों की डिमांड भी बढ़ जाती है। बारिश के मौसम में गरमा-गरम पकौड़े खाने का मजा ही कुछ और होता है। लेकिन आलू और प्याज के पकौड़े इस मौसम में हर घर में बनना बेहद कॉमन बात है। ऐसे में क्यों न इस बार भुट्टे के पकौड़ों का मजा लिया जाए। ये पकौड़े खाने में बेहद स्वादिष्ट होते हैं वहीं बनाने में भी आसान होते हैं। आइए जानते हैं कैसे बनाते है भुट्टे के पकौड़े।

भुट्टे के पकौड़े बनाने के लिए सामग्री

- ताजे नर्म भुट्टे- 4
- बेसन- 1 कप
- प्याज बारीक कटी- 1
- अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट- 1 चम्मच
- चुटकी भर हींग
- सौंफ-एक चम्मच
- नमक-स्वादानुसार
- हरा धनिया - थोड़ा बारीक कटा
- तेल- तलने के लिए

भुट्टे के पकौड़े बनाने की विधि

भुट्टे के पकौड़े बनाने के लिए सबसे पहले भुट्टे कद्दूकस कर लें। फिर इसमें बारीक कटा प्याज, नमक, अदरक व हरी मिर्च पेस्ट, हींग, सौंफ व धनिया डालकर अच्छे से मिला लें। इसका थोड़ा गाढ़ा घोल तैयार कर लें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें भुट्टे के मिश्रण के पकौड़े मध्यम आंच पर सुनहरे होने तक तल लें। भुट्टा पकौड़ी तैयार है इसे टोमॅटो सॉस या हरी चटनी के साथ गरमा-गरम खाएं।

दूध खड़े होकर और पानी बैठकर ही क्यों पीना चाहिए?

अगर दूध पीने के बाद आपका भी पेट फूलने लगता है या आपको गैस बनने लगती है तो इसके पीछे दूध नहीं उसे पीने का गलत तरीका जिम्मेदार हो सकता है। जी हां, आयुर्वेद के अनुसार खाने-पीने की चीजों को लेकर कई हैं, जिनका पालन न करने पर व्यक्ति को सेहत से जुड़ी कई समस्याएं पैदा होने लगती हैं। इन्हीं समस्याओं में से एक है पानी और दूध का गलत तरीके के सेवन। आइए जानते हैं आखिर क्यों दूध खड़े होकर और पानी बैठकर पीने की सलाह दी जाती है।

दूध खड़े होकर क्यों पीना चाहिए? : आयुर्वेद के अनुसार दूध ठंड, वात और पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करता है। जो लोग बैठकर दूध पीते हैं उन्हें हाजमे की दिक्कत रहती है। यही वजह है कि आयुर्वेद में रात को सोने से पहले या शाम के भोजन के दो घंटे बाद दूध को हल्का गर्म करके खड़े होकर पीने की सलाह दी जाती है ताकि उसके पूरे लाभ व्यक्ति को मिल सके।

खड़े होकर दूध पीने के फायदे : खड़े होकर दूध पीने से घुटने खराब नहीं होते हैं, मांसपेशियों के लिए फायदेमंद, कैंसर के खतरे को कम करता है, ह्रदय रोग व हाई ब्लड प्रेशर से सुरक्षा करता है साथ ही ये आपकी आंखों व स्किन के लिए भी गुणकारी होता है।

बैठकर क्यों पीना चाहिए पानी : आयुर्वेद के अनुसार खड़े होकर पानी पीने से फूड और विंड पाइप में होने वाली ऑक्सीजन की सप्लाई रुक जाती है। जिसका असर न केवल फेफड़ों पर बल्कि दिल पर भी पड़ता है। इसके अलावा खड़े होकर पानी पीया जाए, तो पानी की अधिक मात्रा के कारण पेट के निचले हिस्से की दीवारों पर दबाव बनता है, जिससे पेट के आसपास के अंगों को बहुत नुकसान पहुंचता है। इस बुरी आदत के चलते कई लोगों को गठिया और हर्निया का शिकार होना पड़ता है। बिना रुके पानी पीने से एसिडिटी, गैस, डकारें आने जैसी समस्याएं भी होने लगती है। पानी कभी भी खड़े होकर मत पिएं। हमेशा बैठकर ही पानी पीना चाहिए।

बैठकर पानी पीने के फायदे : अध्ययन के अनुसार पानी बैठकर पीने से पानी सही तरीके से पचकर शरीर के सभी सेल्स तक पहुंचता है। व्यक्ति की बॉडी को जितने पानी की अवश्यकता होती है उतना पानी सोखकर वह बाकी का पानी और टॉक्सिन्स यूरीन के जरिए शरीर से बाहर निकल देता है। बैठकर पानी पीने से खून में हानिकारक तत्व नहीं घुलते बल्कि ये खून साफ करते हैं। इसीलिए बैठकर पानी पीने को अच्छा माना जाता है।

शाकाहारी लोग प्रोटीन के लिए डाइट में शामिल कर सकते हैं ये चीजें

HEALTH+

शाकाहारी भोजन खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी को दूर नहीं किया जा सकता।प्रोटीन हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। हमें हर दिन के भोजन में प्रोटीन की जरूरत होती है। ताकि हम स्वस्थ बने रहें।

बात जब भी प्रोटीन की कमी को पूरा करने की आती है तो लोग एक दूसरे को चिकन- अंडे खाने की सलाह देने लगते हैं। यह सही है कि मीट में प्रोटीन की मात्रा बहुत अधिक होती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि शाकाहारी भोजन खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी को दूर नहीं किया जा सकता।प्रोटीन हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। हमें हर दिन के भोजन में प्रोटीन की जरूरत होती है। ताकि हम स्वस्थ बने रहें। आइए जानते हैं शाकाहारी लोग बॉडी में प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में किन खास फूड्स को शामिल कर सकते हैं।

रोजाना कितना प्रोटीन लेना सही-

प्रोटीन बॉडी का मुख्य बिल्डिंग ब्लॉक है। औसत तौर पर एक व्यक्ति को उसके शरीर के वजन का प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम प्रोटीन की जरूरत रहती है। साधारण शब्दों में समझें तो औसत तौर पर एक पुरुष को 56 ग्राम प्रोटीन और महिला को 46 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है। लेकिन आप अगर प्रेगनेंट,ब्रेस्टफीड मदर या एथलीट हैं, तो आपको प्रोटीन की जरूरत ज्यादा होती है। आप हर मील के साथ प्रोटीन का सेवन करें।

दाल

दाल आपकी डाइट में प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने का बहुत बढ़िया उपाय है। प्रोटीन की कमी पूरा करने के लिए आप दाल को सिर्फ पकाकर भी खा सकते हैं। आधा कप पकी हुई दाल में 12 ग्राम प्रोटीन मौजद होता है।

पनीर

पनीर वेजीटेरियन लोगों के लिए प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। पनीर को आप स्नैक्स के तौर पर भी खा सकते हैं।

ओट्स

लगभग आधे कप ओट्स में 6 ग्राम प्रोटीन और 4 ग्राम फाइबर होता है। इसमें मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस और फोलेट भी होता है। इसमें हाई क्वालिटी प्रोटीन होता है।

किनुआ

किनुआ प्रोटीन प्लांट के स्रोतों में से एक है। जिसमें सभी नौ एसेंशियल अमीनो एसिड्स मौजूद होते हैं। अमीनो एसिड्स मसल डेवलपमेंट और इम्यून एक्टिविटी को सपोर्ट करने के लिए जरूरी होता हैं। आप चाहें तो इसे सलाद, वेजीटेबल बर्गर आदि में इसे मिलाकर खा सकते हैं।

चिया सीड्स

चिया सीड्स के आधे कप में 6 ग्राम प्रोटीन और 13 ग्राम फाइबर मौजूद होता है। यह आयरन, कैल्शियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम का बढ़िया स्रोत है। इसके अलावा इसमें ओमेगा- 3 फैटी एसिड और एंटी-ऑक्सीडेंट भी मौजूद होता है।

गणराज्य का गौरव पल

संसद के सेंट्रल हॉल में जब द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद की शपथ ले रही थीं, तब पूरा देश उन्हें सम्मान से देख रहा था। उनके शपथ ग्रहण के साथ देश के जनजाति और वनवासी समुदाय का सिर जिस तरह गर्व से ऊंचा उठा है, वह भारतीय राष्ट्र की नई ताकत और भारतीय राजनीति के नए विस्तार की ओर इशारा करता है।

शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने आजादी के अमृत महोत्सव को याद किया, जिसे हम कुछ ही दिनों में मनाने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा सौभाग्य है कि आजादी के 75वें साल में मुझे यह दायित्व मिला है।' द्रौपदी मुर्मू के देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने से उस संकल्प और उन सपनों को एक नया आयाम मिला है, जो आजादी की लड़ाई की सबसे प्रमुख भावना थी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिसके लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम जन को देश के शीर्ष पद पर ले जाने के संकल्प को साकार करने का इससे अच्छा अवसर कोई और हो नहीं सकता था। यह हम सबका सौभाग्य है कि स्वतंत्रता के 75वें साल में हम देश को उस दिशा में ले जा रहे हैं, जिसके लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू आर्थिक रूप से देश के सबसे पिछड़े इलाके से आई हैं। उस इलाके से, जहां अभी चंद रोज पहले तक विद्युत आपूर्ति तक की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने जो लंबा सफर तय किया है, वह देश के राजनीतिक वायुमंडल के बारे में भी बहुत कुछ कहता है। उनके गांव में विकास की वह बयार अभी तक नहीं पहुंची है, जिसे हम प्रगति की सबसे जरूरी शर्त मानते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 25 साल में पार्षद से लेकर राष्ट्रपति पद तक की लंबी दूर तय की है। यहां पर एक और चीज का जिक्र जरूरी है कि वह देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इस तरह से देखें, तो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और जेंडर के उन सभी स्तरों का उनके पास निजी अनुभव है, जहां बड़े प्रयासों की जरूरत है। राष्ट्रपति के तौर पर यह अनुभव उनके बहुत काम आएगा। इसके साथ ही उनका यह अनुभव देश के लोगों के लिए भी एक आश्वासन है कि सर्वोच्च पद पर एक ऐसी हस्ती आसीन है, जो उनके दुख-दर्द को अच्छी तरह जानती-समझती है। इस सबका एक अन्य अर्थ भी है, जिसका जिक्र राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में किया, 'मेरा निर्वाचन इस बात का सुबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है।'

जाहिर है, राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू का शपथ लेना भारतीय राजनीति की जड़ों के गहराने और मजबूत होते जाने की कहानी कहता है। पिछले कुछ दशकों में हमारा लोकतंत्र उन सभी लोगों को, तमाम समुदायों को मुख्यधारा में, बल्कि केंद्र ले आया है, जो कभी सत्ता-संरचना के हाशिये पर हुआ करते थे। किसी देश की सामाजिक विविधता उसकी राजनीति में भी स्थापित हो, प्रतिबिंबित हो, तो इससे अच्छी बात भला क्या हो सकती है!

ईडी को गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने का अधिकार, मनी लॉन्ड्रिंग कानून में बदलाव सही: सुप्रीम कोर्ट

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारों और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने कहा है कि ईडी को गिरफ्तारी का अधिकार है।

• **जालंधर ब्रीज.** दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारों और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने कहा है कि ईडी को गिरफ्तारी का अधिकार है। अदालत ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग एक स्वतंत्र अपराध है, ऐसे में मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में कोई खामी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी और PMLA को लेकर दायर 240 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में जो बदलाव किए गए थे, वह सही हैं। यही नहीं कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की ओर से गिरफ्तारी करने और आरोपियों से पूछताछ करने में कुछ भी गलत नहीं है।

दूसरी एजेंसियों के बंद मामलों में भी ईडी ले सकती है ऐक्शन : याचिकाकर्ताओं की एक और मांग पर अदालत ने कहा कि ईडी ने कोई शिकायत दर्ज की है तो उसकी कॉपी आरोपी को देना जरूरी नहीं है। इसके अलावा सीबीआई या अन्य किसी एजेंसी की ओर से बंद किए गए मामले को भी ईडी अपने हाथ में लेकर जांच कर सकती है। इसके अलावा प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में मनी बिल के तहत बदलाव किए जाने के सवाल को अदालत ने 7 जजों की बेंच के सामने भेजने का फैसला लिया है। दायर की गई याचिकाओं में ईडी की ओर से रेड, गिरफ्तारी के अधिकारी, संपत्ति को जब्त करने और बेल की कठिन शर्तों पर विचार करने की अपील की गई थी।

जब्ती के अधिकार को भी सुप्रीम कोर्ट ने बताया सही, वजह भी बताई : जस्टिस ए.एम खानविल्कर की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि ईडी की ओर से गिरफ्तारी किया जाना मनमानी नहीं है। अदालत ने ईडी ओर से संपत्ति जब्त करने को सही करार देते हुए कहा कि गलत ढंग से पैसा कमाने वाले लोग इसका इस्तेमाल न कर सकें। इसलिए ऐसा अधिकार ईडी के पास है। जमानत की दो कड़ी शर्तों को भी सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत आरोपी को दो शर्तों पर ही बेल मिलती है। ये शर्तें हैं कि मामले में दोषी न होने के समर्थन में कुछ सबूत मिलें और यह भरोसा हो कि आरोपी निकलने के बाद कोई दूसरा अपराध नहीं करेगा।

ईडी की ओर से ECIR की कॉपी देना जरूरी नहीं : ईडी की ओर से दर्ज की जाने वाली रिपोर्ट एन्फोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट को लेकर भी अदालत ने अहम फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ईडी का आंतरिक दस्तावेज है और उसे आरोपी को दिया जाना जरूरी नहीं है। अदालत ने कहा कि शुरुआती दौर में ईडी की ओर से आरोपी को गिरफ्तारी का आधार बताना काफी होगा। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम समेत कई लोगों की ओर से दायर याचिका में ईडी के अधिकारों और PMLA में बदलाव को चुनौती देते हुए कहा था कि इनके जरिए संवैधाानिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। इस पर केंद्र सरकार ने जवाब देते हुए कहा था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत जिन करारों का हिस्सा है, उसके तहत यह कार्रवाई जरूरी है ताकि मनी लॉन्ड्रिंग से निपटा जा सके।

फिर विवादों में सिमरनजीत सिंह मान, अब गोल्डन टेंपल म्यूजियम से भगत सिंह की फोटो हटाने की मांग की

• **जालंधर ब्रीज.** अमृतसर

शहीद भगत सिंह को आतंकवादी बताने वाले पंजाब के नेता और शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रमुख सिमरनजीत सिंह मान एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। अब उनकी पार्टी ने अमृतसर में स्थित गोल्डन टेंपल के केंद्रीय सिख म्यूजियम में मौजूद शहीद भगत सिंह की फोटो को हटाने की मांग की है। सांसद सिमरनजीत सिंह मान के बेटे ईमान सिंह मान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी से मुलाकात की है। इस दौरान उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा गया है।

शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) की ओर से एसजीपीसी के अध्यक्ष को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि भगत सिंह खुद को नास्तिक मानते थे। ऐसे में संग्रहालय में उनकी तस्वीर ना लगाई जाए। उसे वहां से हटाया जाए। इससे पहले शहीद भगत सिंह को आतंकवादी कहने वाले सिमरनजीत सिंह ने यह भी कहा था वह अपने बयान के संबंध में माफी नहीं मांगेंगे। वह इस पर कायम रहेंगे।

सिखों के लिए अलग देश होना चाहिए - मान : शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रमुख और पंजाब में संगरूर से सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने पिछले दिनों स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह को आतंकवादी बताने वाली अपनी टिप्पणी का बचाव भी किया था। उन्होंने कहा था कि सिखों के लिए अलग देश होना चाहिए। जून में हुए उपचुनाव में संगरूर सीट से जीतने के बाद मान ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कक्ष में संविधान के नाम पर शपथ ली थी और देश की गरिमा के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प लिया था।

18 जुलाई को पंजाब से कांग्रेस के कई सदस्यों ने मान के बिरला के कक्ष में शपथ लेने का विरोध किया था। लोकसभा के तीन अन्य सदस्यों ने भी बिरला के कक्ष में शपथ ली थी। मान ने कहा था कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया है कि उन्हें संसद की विदेश मामलों और रक्षा मामलों पर स्थायी समिति का सदस्य बनाया जाए।

खालिस्तान को समर्थन जारी रखने की कही थी बात : शिअद (अमृतसर) के प्रमुख सिमरनजीज सिंह मान ने कहा था कि वह खालिस्तान के मुद्दे पर अपना समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा था, 'सिखों के लिए एक पृथक देश होना चाहिए। खालिस्तान परमाणु हथियारों से लैस देशों भारत और पाकिस्तान के बीच बफर स्टेट के तौर पर काम करेगा। यह पूछे जाने पर कि वह सिखों के लिए अलग देश की बात क्यों कर रहे हैं जबकि वह भारत की अखंडता की रक्षा करने की शपथ ले रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'आप मुझे इस पर घेरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लद्दाख क्षेत्र में जो हो रहा है, उसके बारे में आप क्या कहेंगे? चीन वहां क्या कर रहा है?'

उपलब्धि बनी आत्महत्या की वजह: देश का पहला टेस्ट ट्यूब बेबी विकसित करने वाले डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय ने क्यों किया सुसाइड?

भारत में पहली बार 25 जुलाई, 1978 को टेस्ट ट्यूब बेबी का परीक्षण किया गया, जो सफल रहा। यह सफल परीक्षण कोलकाता के डॉक्टर सुभाष मुखोपाध्याय ने किया। जानिए, कैसे उनकी उपलब्धि की उनकी मौत की वजह बन गई...

• **जालंधर ब्रीज.** खबर विशेष

आईवीएफ तकनीक से जन्मे शिशु को टेस्ट ट्यूब बेबी कहते हैं। दुनियाभर में ऐसे टेस्ट ट्यूब बेबी का चलन बढ़ रहा है। भारत में पहली बार 25 जुलाई, 1978 को टेस्ट ट्यूब बेबी का परीक्षण किया गया, जो सफल रहा। यह सफल परीक्षण कोलकाता के डॉक्टर सुभाष मुखोपाध्याय ने किया। पहले ही परीक्षण में उन्हें सफलता मिली। उन्होंने उस दौर में सफलता का कीर्तिमान रचा जब देश में टेस्ट ट्यूब के बारे में सोचना भी संभव नहीं था। पहली बार इसकी घोषणा के बाद देश के डॉक्टर और सरकार उनकी बात मानने को तैयार नहीं थे।

देश की पहली टेस्ट ट्यूब बेबी कनुप्रिया अग्रवाल

उनकी इस खोज को डॉक्टर्स और सरकार ने अवैध बताया और उपलब्धि को मानने से इंकार कर दिया था। नतीजा उनकी यह उपलब्धि एक मजाक बन गई। जिस टेस्ट ट्यूब बेबी को लेकर वो चर्चा में आए वही उपलब्धि उनकी मौत की वजह बन गई।

कनुप्रिया अग्रवाल थीं देश की पहली टेस्ट ट्यूब बेबी : उन्होंने जिस प्रयोग में सफलता पाई उसे एक मुकाम तक पहुंचाया। सफलता मिलने के बाद उन्होंने देश के पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को तैयार करने के लिए प्रयोग शुरू किया। 3 अक्टूबर 1978 को उन्होंने भारत का पहला टेस्ट ट्यूब बेबी तैयार किया। उसका नाम था कनुप्रिया अग्रवाल। बच्ची के जन्म के बाद डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय दुनिया के दूसरे और एशिया के पहले ऐसे बच्चे को तैयार करने वाले एक्सपर्ट बन गए।

पहला नाम था 'दुर्गा'

कनुप्रिया पुणे की रहने वाली हैं। वह भारत की पहली और दुनिया की दूसरी टेस्ट ट्यूब बेबी हैं। कनुप्रिया के जन्म के समय उनका नाम दुर्गा रखा गया था। शुरुआती दौर में पहचान सार्वजनिक होने से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया था। 44 साल की कनुप्रिया एक 10 साल के बच्चे की मां भी हैं।

सफलता ने नाम रोशन किया और मौत की वजह भी बनी : डॉ. मुखोपाध्याय ने अपना पूरा जीवन टेस्ट ट्यूब बेबी को बनाने में बिता दिया, लेकिन उन्हें कभी भी इसकी वो पहचान नहीं मिली जो एक खोजकर्ता को मिलती चाहिए थी। उनके इस काम की लगातार आलोचना की गई। मजाक बनाया गया। इसके कारण

डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय

वो मानसिक तकलीफ से गुजरे। वह इस कदर तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे कि 1981 में आत्महत्या कर ली।

मौत के 21 साल बाद मिली मान्यता : डॉ. मुखोपाध्याय की मौत के बाद उनके सहयोगी रहे डॉ. सुनीत मुखर्जी ने उनकी डायरी डॉ. टी.सी. आनंद को दी। वह भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद में प्रजनन अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक थे। उन्होंने डॉ. मुखोपाध्याय की बताई प्रक्रिया से 1 टेस्ट ट्यूब को तैयार किया। उस बच्चे का जन्म भी हुआ। डॉ. आनंद के प्रयासों के बाद आईसीएमआर ने डॉ। मुखोपाध्याय के प्रयोग को मान्यता दी। इस तरह मौत के 21 साल बाद उनके काम को सहारा गया और पहचाना गया। देश ऐसे में ऐसे सैकड़ों दंपति हैं जो आईवीएफ के जरिए माता-पिता बन रहे हैं।

'जेलेंस्की ने 1940 जैसी बहादुरी दिखाई', ब्रिटेन ने दिया विंस्टन चर्चिल अवार्ड

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने रूस यूक्रेन युद्ध के समय में जेलेंस्की के कार्यों की तुलना चर्चिल से कर डाली। जेलेंस्की ने एक समारोह के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह अवार्ड ग्रहण किया।

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

रूस से चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दुनियाभर का ध्यान अपनी कार्यशैली पर खींचा। इस युद्ध के दरम्यान वे कभी अपनी सेनाओं का मनोबल बढ़ाते दिखे तो कभी दूसरे देशों की संसद में यूक्रेन का पक्ष रखते हुए दिखे। इस बीच ब्रिटेन जैसे देशों ने यूक्रेन का खुलकर समर्थन किया। इसी कड़ी में जेलेंस्की को ब्रिटेन सरकार ने विंस्टन चर्चिल अवार्ड दिया है और कहा कि उन्होंने वही बहादुरी दिखाई को कभी चर्चिल ने दिखाई थी।

'सर विंस्टन चर्चिल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित' : दरअसल, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को 'सर विंस्टन चर्चिल लीडरशिप अवार्ड' से सम्मानित किया। उन्होंने इस युद्ध के समय में जेलेंस्की के कार्यों की तुलना चर्चिल से कर डाली। जेलेंस्की ने जॉनसन के लंदन कार्यालय में एक समारोह के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह अवार्ड ग्रहण किया।

जॉनसन ने जेलेंस्की की तुलना चर्चिल से कर डाली : इस समारोह में चर्चिल के परिवार के सदस्य, यूक्रेन के राजदूत वैदिम प्रिस्तेको और वे यूक्रेनी भी शामिल हुए, जिन्होंने ब्रिटिश सैनिकों से प्रशिक्षण लिया है। इस दौरान ब्रिटिश पीएम ने यह याद किया कि जेलेंस्की ने कैसे 24 फरवरी को पुष्टि की थी कि रूस ने आक्रमण कर दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़े संकट की घड़ी में आपने अपने तरीके से नेतृत्व की परीक्षा का सामना किया जैसे कि चर्चिल ने 1940 में किया था। आपने वही बहादुरी दिखाई है।

जेलेंस्की ने ब्रिटेन का आभार जताया : अपने संबोधन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ब्रिटेन और पीएम जॉनसन का आभार भी जताया। मालूम हो कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद जॉनसन पहले पश्चिमी नेता थे जो कीव गए थे। इस माह के शुरू में जॉनसन द्वारा कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पद से इस्तीफा देने के बाद जेलेंस्की ने कहा था कि वह इस घटनाक्रम से दुखी हैं।

बता दें कि उधर इतने महीनों बाद भी रूस यूक्रेन युद्ध थमा नहीं है। रूसी सेना ने हाल ही में डोनेस्क क्षेत्र में हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। उसने बखमुत चासिव यार, स्लोवियास्क व कोस्त्यंतिनिव्का शहरों पर भीषण मिसाइल हमले किए। यूक्रेन ने कहा कि रूसी सेना ने शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक ठिकानों पर भी हमले बढ़ा दिए हैं।

पशुपालन क्षेत्र के लिए ऋण सुविधा में विस्तार

जालंधर ब्रीज. 2019 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित एक कार्य समूह ने उल्लेख किया था कि पारंपरिक कृषि कार्य में लगे किसानों के पास पशुधन और डेयरी किसानों की तुलना में ऋण प्राप्ति की बेहतर सुविधा मौजूद थी। चूंकि 75 प्रतिशत पशुपालक किसान 2-4 मवेशियों के साथ सीमांत किसान की श्रेणी में आते हैं, इसलिए भारत के पशुपालन और डेयरी क्षेत्रों के लिए ऋण की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि संबद्ध गतिविधियों (पशुधन, वानिकी और मत्स्य पालन) को कुल कृषि ऋण का केवल 10 प्रतिशत प्राप्त होता है, जबकि वे कृषि उत्पादन में 40 प्रतिशत का योगदान देते हैं। पशुपालक किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती इस तथ्य से भी जुड़ी हुई है कि जनगणना के तहत एक किसान को उसकी जमीन के स्वामित्व/जोत के आधार पर परिभाषित किया जाता है। परिणामस्वरूप, पंजीकृत भूमि रिकॉर्ड के बिना किसानों के लिए ऋण प्राप्त करना बहुत कठिन हो जाता है। इस स्थिति के समाधान के लिए, सरकार ने पशुधन और डेयरी क्षेत्र में किसानों व उद्यमियों के लिए ऋण उपलब्धता एवं ऋण वित्तपोषण का विस्तार करने के उद्देश्य से कई उपाय पेश किये हैं।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा केवल 41 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान कवर किए गए हैं और बहुसंख्यक किसान सूदखोर साहूकारों के सामने असहाय हो जाते हैं। स्थिति में सुधार के लिए, पहला महत्वपूर्ण उपाय 2019 में सामने आया, जब किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा पशुधन क्षेत्र के किसानों को भी दी गई। केसीसी में बैंकों को 2 प्रतिशत की ब्याज छूट प्रदान की जाती है और किसानों को कृषि व संबद्ध गतिविधियों के लिए 3 लाख रुपये तक के अल्पावधि ऋण का समय पर भुगतान करने पर 3 प्रतिशत का प्रोत्साहन दिया जाता है, जिससे ऐसे ऋणों के लिए प्रभावी ब्याज दर कम होकर मात्र 4 प्रतिशत रह जाती है। केसीसी ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि लगभग 70 प्रतिशत पशुपालक महिलाएं हैं, जिनमें से अधिकांश को गिरवी योग्य सम्पत्ति के अभाव में ऋण प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त, आरबीआई की रिपोर्ट में इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया है कि कुछ राज्यों को अपने कृषि-जीडीपी की तुलना में अधिक कृषि-ऋण प्राप्त होता है, जिसका अर्थ है कि कृषि ऋण का उपयोग गैर-कृषि कार्यों के लिए किया जाता है। इस प्रकार यह क्षेत्रीय असमानता के मुद्दे को रेखांकित करता है, क्योंकि मध्य, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के राज्यों को अपने कृषि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में बहुत कम कृषि-ऋण प्राप्त होता है। इस संदर्भ में, सरकार ने कोविड लॉकडाउन के दौरान डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के नेटवर्क का समर्थन करने के लिए कई उपाय प्रस्तुत किये, जिनमें प्रमुख हैं - कार्यशील

पूंजी ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज छूट देने की योजना। इस योजना के तहत राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को 333 करोड़ रुपये जारी किए गए, ताकि इसकी मदद से 24,000 करोड़ रुपये के कार्यशील पूंजी ऋण को सहायता दी जा सके। इसके अलावा, डेयरी किसान बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण पैदा हुई चुनौतियों का सामना करते हैं। फलस्वरूप, कुल दूध उत्पादन का 3 प्रतिशत से अधिक बर्बाद हो जाता है। इसके उपाय के लिए, देश भर में डेयरी सहकारी समितियों एवं किसान उत्पादक संघों को ऋण सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास योजना की घोषणा की गई थी। डीआईडीएफ अवसंरचना के विकास पर केंद्रित परियोजनाओं को प्रोत्साहन देकर देश में संपूर्ण डेयरी मूल्य श्रृंखला का उन्नयन करना चाहता है।

पिछले कुछ दशकों में, निजी क्षेत्र ने डेयरी प्रसंस्करण अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में, लगभग 120-130 एमएमटी का प्रसंस्करण अवसंरचना अंतर है, जो लगभग 20,000 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता को दर्शाता है। यदि दुग्ध प्रसंस्करण और वितरण के लिए अवसंरचना की जरूरतों को शामिल किया जाये, तो डेयरी मूल्य श्रृंखला में कुल संभावित निवेश अवसर 1,40,000 करोड़ रुपये का है। इसे ध्यान में रखते हुए, पशुपालन और डेयरी विभाग निजी कंपनियों व उद्यमियों के लिए पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के रूप में एक प्रमुख योजना लेकर आया है, ताकि डेयरी उत्पादों. मांस उत्पाद और पशु चारा से संबंधित प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए ऋण पर ब्याज छूट की सुविधा दी जा सके। क्रेडिट गारंटी जोखिम कम करने वाला एक महत्वपूर्ण उपाय है, जो एमएसएमई को ऋण देने के क्रम में ऋणदाता के जोखिम को कम करता है। इसलिए, 750 करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी निधि की स्थापना की गई है, ताकि उधारकर्ता को उपलब्ध कराए गए मूल ऋण के 25 प्रतिशत तक के एएचआईडीएफ ऋणों के लिए गारंटीकृत कवरेज प्रदान किया जा सके। मूल्य श्रृंखला में कमियों को दूर करने के लिए, एएचआईडीएफ को संशोधित किया गया है, ताकि योजना में नस्ल सुधार प्रौद्योगिकी, वैक्सीन निर्माण और 'कचरे से कंचन' से संबंधित अवसंरचना निर्माण को शामिल किया जा सके।

हमारे पशुधन क्षेत्र की कुछ प्रमुख चुनौतियां हैं - निम्न उत्पादकता स्तर और गुणवत्तापूर्ण व किफायती पशु आहार तथा चारे की कमी। अतः इस क्षेत्र में किसानों को समर्थन देने के उद्देश्य से उद्यमियों को मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी, सुअर और वाणिज्यिक पोल्ट्री हैचरी से जुड़े नस्ल गुणन फार्मों के सन्दर्भ में पूंजी सब्सिडी प्रदान करने के लिए नई पहल की घोषणा की गई है। इसी प्रकार उन ग्रामीण चारा उद्यमियों के लिए भी 50 प्रतिशत पूंजी अनुदान योजना लागू की जा रही है, जो पशुपालकों को किफायती व गुणवत्तापूर्ण चारा आपूर्ति के लिए सुविधा स्थापित करने के अवसर की तलाश कर रहे हैं। पूंजीगत सब्सिडी और ब्याज में छूट से जुड़े ऐसे कार्यक्रम पशुपालकों को बैंक ऋण की आसान उपलब्धता सुनिश्चित कर सकते हैं।

ऋण उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए, 2021 के बजट में पशुधन संबंधी गतिविधियों के सन्दर्भ में जमीनी स्तर पर ऋण लक्ष्यों के अंतर्गत बैंकिंग संस्थानों के लिए सावधि ऋण निर्धारित करने की घोषणा की गई थी। 2021-22 लक्ष्यों की 192 प्रतिशत उपलब्धि के आधार पर, 2022-23 के लिए कार्यशील पूंजी ऋण तथा सावधि ऋण, दोनों ही निर्धारित किये गए हैं। सरकार द्वारा शुरू किये गए ऐसे सभी उपाय पशुधन क्षेत्र में ऋण उपलब्धता को बढ़ावा दे रहे हैं, जिनका ग्रामीण भारत में उद्यमिता विकास और धन सृजन की दिशा में गुणात्मक प्रभाव पड़ेगा।

(लेख : श्री अतुल चतुर्वेदी, सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग। व्यक्त

लोकपाल ने पंजाब के डिविज़नल कमिश्नरों व अन्य विभागों के उच्च अधिकारियों के साथ की मीटिंग

पंजाब लोकपाल एक्ट के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए सरकारी दफ्तरों में फ्लेक्स बोर्ड लगाने के दिए निर्देश

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

जस्टिस विनोद कुमार शर्मा, लोकपाल पंजाब की अध्यक्षता अधीन आज पंजाब राज्य के समूह डिविज़नल कमिश्नरों, स्थानीय सरकार विभाग और ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के उच्च अफसरों के साथ एक अहम मीटिंग की गई है। मीटिंग के दौरान अधिकारियों को हिदायतें दी गई हैं कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए पंजाब लोकपाल एक्ट 1996 के अधीन किसी प्रकार की शिकायत दर्ज करवाने के लिए आम लोगों को जागरूक करने के मकसद से भेजे गए नमूने के अनुसार बड़े-बड़े फ्लैक्स बोर्ड समूह दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर 15 दिनों के अंदर-अंदर लगाए जाएँ।

यह फ्लैक्स बोर्ड समूह मंडल कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों, उप मंडल अफ़सर, तहसीलों, डी.डी.पी.ओ., बी.डी.पी.ओ., नगर सुधार ट्रस्टों, नगर निगमों, नगर काऊंसिलों आदि के दफ्तरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने की हिदायतें दी गई हैं, जिससे आम लोगों में पंजाब लोकपाल एक्ट सम्बन्धी जागरूकता फैले कि वह कौन से प्रतिनिधि, चेयरमैन, मेयर, डिप्टी मेयर, नगर काऊंसिल/नगर पंचायतों के प्रधान, उप प्रधान और इन संस्थानों में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ़ किस प्रकार की शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के अधीन आने वाले राज्य के समूह दफ्तरों और पब्लिक स्थानों पर भी फ्लैक्स बोर्ड 15 दिनों के अंदर-अंदर लगाए जाने की हिदायत की गई है, जिससे ज़िला परिषद् के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और कमेटी के सदस्यों और उनके अधीन आने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाने संबंधी लोग जागरूक हो सकें। इसके अलावा किसी भी सरकारी कंपनी के चेयरमैन, राज्य या केंद्रीय एक्ट के अधीन गठित बोर्डों के चेयरमैनों और सदस्यों के विरुद्ध और अन्य प्रतिनिधियों के ख़िलाफ़ भी लोग शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। मीटिंग के दौरान यह भी बताया गया कि भ्रष्टाचार सम्बन्धी किसी भी तरह की शिकायत दर्ज करवाने के लिए lokpal.punjab.gov.in वेबसाईट से पूरी जानकारी हासिल की जा सकती है। इसके अलावा शिकायत पंजाब सिविल सचिवालय-2 चंडीगढ़, लोकपाल पंजाब के दफ़्तरी कमरा नंबर 426/4 में निजी तौर पर या रजिस्टर्ड डाक के द्वारा भी भेजी जा सकती है।

पीसीएस आफिर्सस एसो. ने मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के साथ की बैठक

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

पंजाब सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने मुख्य सचिव वी.के. जंजुआ के साथ मुलाकात की सदस्यों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के अलावा बाद में उन्हें आश्वासन दिया कि एसोसिएशन निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रशासनिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पंजाब सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने मुख्य सचिव वी के जंजुआ और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव ए.वेणु प्रसाद से मुलाकात की साथ ही प्रशासनिक लक्ष्यों की समय पर पूरा करने की वचनबद्धता दोहराई।

एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष और जालंधर के अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर मेजर अमित सरीन और महासचिव डा अंकुर महिंदरू ने अन्य सदस्यों के साथ मुख्य सचिव से मुलाकात कर उनका पंजाब सिविल सचिवालय में स्वागत किया। एसोसिएशन ने कहा कि प्रदेश भर में पी.सी.एस. अधिकारी पूरी ईमानदारी, लगन और पेशेवर तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे है, ताकि बिना किसी देरी के जनहित में काम किए जा सके। मेजर अमित सरीन ने कहा कि एसोसिएशन ने मुख्य सचिव का स्वागत करते हुए कि लोगों के दैनिक कार्यों को करने को पूरी प्राथमिकता दी जा रही है ताकि दफ्तरों में आने वाले लोगों को आरामदायक माहौल में आवश्यक सेवाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव ने जनहित से जुड़े लक्ष्यों और कार्यों को पूरा करने में सहयोग करने का भरोसा दिया।

इस दौरान एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव ए. वेणु प्रसाद से भी मुलाकात की, जहां फील्ड में तैनात अधिकारियों के काम को और उचित बनाने के लिए विचार किया गया। इस मौके पर राजेश त्रिपाठी, तरसेम चंद, केशव गोयल, दीपक रूहेला, अरविंद कुमार, संदीप गाढ़ा, कमल गर्ग व सुखजीतपाल सिंह मौजूद थे।

सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री दो हफ़्तों के बाद किया करेंगे विभाग के कामकाज की समीक्षा

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने आज विभाग के अधिकारियों को हिदायत की कि वह मुख्यमंत्री स. भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की तरफ से चलाईं जा रही विभिन्न लोक भलाई स्कीमों का प्रचार करने के साथ- साथ सरकार और जनता के दरमियान एक मज़बूत कड़ी के तौर पर काम करें। यहाँ हैडक्वाटर पर तैनात पी. आर. ओज़ और ए. पी. आर. ओज़ के साथ पंजाब भवन में अपनी पहली मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से जा रही नयी पहलकदमियों और प्रयासों की जानकारी समय पर लोगों तक पहुंचायी जाये। उन्होंने फीडबैक विधि को और मज़बूत करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। कैबिनेट मंत्री ने दो हफ़्तों बाद विभाग के कामकाज की समीक्षा करने का भी फ़ैसला किया।

पी. आर. ओज़/ ए. पी. आर. ओज़ को संबोधन करते हुए श्री अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों की तरफ से किये जाते सभी ऐलानों, भलाई स्कीमों और अन्य सरकारी हुक्मों को जल्द से जल्द सरकार के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया जाये जिससे जानकारी समय पर लोगों तक पहुँच सके।

12 अगस्त तक लगाए जाएंगे विशेष यूडीआईडी/ विकलांगता कैंप

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

जिले में विशेष जरूरत वाले व्यक्तियों के यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए 29 जुलाई को पहला कैंप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमशेर खास में लगाया जा रहा है, जहां विकलांग व्यक्तियों के पहचान पत्र बनाए जाएंगे। डिप्टी कमिशनर जसप्रीत सिंह ने कहा कि विकलांग व्यक्तियों को कैंप में अपना विकलांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की कापी और एक पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ देना होगा जहां विशेषज्ञ डाक्टर उनके यूडीआईडी उनके कार्ड बनाने की प्रक्रिया को पूरा करेगा। दूसरा कैंप 03 अगस्त को सीएचसी में करतारपुर, तीसरा कैंप 05 अगस्त को सीएचसी काला बकरा में लगेगा। पीएचसी बडा पिंड में 10 अगस्त को और पीएचसी जंडियाला में 12 अगस्त को कैंप लगेगा। कैंप सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

छह विभिन्न विषयो के सत्रो पर रहा भाजपा का दूसरे दिन का प्रशिक्षण शिविर

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, जिसमें पंजाब भर से आए शिक्षार्थी भाग ले रहे हैं, के दूसरे दिन छह विषयो के छह सत्रो का अनुशासन की पालना करते हुए हुआ। पहले सत्र की शुरुआत ठीक 09:30 बजे हुई। दूसरे दिन के शिविर का पहले सत्र में प्रदेश महासचिव भाजपा डॉ. सुभाष शर्मा ने एकांतम मानववाद के बारे में संक्षिप्त में बताया। प्रशिक्षण शिविर के आयोजन के दौरान केन्द्रीय तथा प्रदेश नेतृत्व ने आगामी निकाय चुनावों से लेकर 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए शिविर में पहुँचे शिक्षार्थियों को जीत के लिए पाठ पढ़ाएंगे।

दूसरे सत्र पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्तिथि पर हुआ, जिसमे पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने उपस्थित शिक्षार्थियों को अपने संबोधन में जनसंघ से लेकर भाजपा तक की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनितिक पार्टी है। भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिकल्पना को साकार किया है। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा यह है कि पार्टी व्यक्ति से ऊपर है और राष्ट्र पार्टी से ऊपर है। पार्टी की विचारधारा और दूरदर्शिता के बारे में जागरूक करने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं के लिए रिफ्रेशर कोर्स हैं।

अश्वनी शर्मा ने पंजाब के मौजूदा राजनीतिक हालातों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंजाब में आज तक कभी ऐसे हालात नहीं बने हैं जैसे कि विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश की मौजूदा भगवंत मान सरकार ने बना दिए हैं। प्रदेश में हर तरफ अराजकता का माहौल है।

नगर कौंसिल दिसंबर तक अवशेष प्रबंधन के लिए कंपोस्ट पिटस स्थापित करे : एडीसी

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

एडीसी कपूरथला शहरी विकास अनुपम केलर एवं अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (ज) अजय अरोड़ा ने आज जिला पर्यावरण समिति की बैठक के दौरान सभी नगर परिषदों सुल्तानपुर लोधी, ढिल्लवां, नडाला, बेगोवाल और ढिलवां को कचरे के प्रबंधन के लिए कम्पोस्ट पिटस बनाने के निर्देश दिए है। जिला पर्यावरण समिति की बैठक दौरान उन्होंने प्रदूषण और कचरा प्रबंधन के लिए अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार शहरों में डंप साइट्स को पूरी तरह से हटाना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि होटलों, पैलेस से ब्लक वेस्ट प्रबंधन को यकीनी बनाने के साथ-साथ दिसंबर 2022 के अंत तक सभी एम सी द्वारा कम्पोस्ट पिटस के आवशयक निर्माण को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि घर-घर जाकर अलग-अलग कूड़ा एकत्र करना सुनिश्चित किया जाए ताकि बारिश के मौसम में इससे किसी प्रकार की बीमारी न हो। उन्होंने सभी नगर परिषदों को कहा कि ग्रीन बैल्ट विकसित करने के ईलावा कूड़े के डंप के आस-पास चारदीवारी/कांटेदार तार का निर्माण सुनिश्चित करने किया जाए।

पंचायत मंत्री ने अमृतसर के भगतूपुरा ज़मीन घोटाले की जांच रिपोर्ट सीएम को सौंपी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने गुरूवार शाम को अमृतसर के गाँव भगतूपुरा ज़मीन घोटाले की जांच टीम की रिपोर्ट मुख्यमंत्री भगवंत मान को सौंपी दी है। इस सम्बन्धी जानकारी साझा करते हुए कुलदीप सिंह धालीवाल ने बताया कि पंचायत विभाग ने 20 मई को तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई थी। इस टीम द्वारा जांच पूरी कर ली गई है, जिसकी रिपोर्ट अगली कार्यवाही हेतु मुख्यमंत्री को सौंप दी है।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने बताया कि अमृतसर के गाँव भगतूपुरा की पंचायत द्वारा अल्फा इंटरनेशनल सिटी को अपनी ज़मीन बेची गई थी। सरकार बनने के बाद उनके ध्यान में यह मामला आया था कि इस ज़मीन को बेचने के लिए करोड़ों रुपए का चूना सरकार को लगाया गया है और अन्य कई तकनीकी गड़बडियां की गई हैं। उन्होंने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग के तीन सीनियर अफसरों पर आधारित तीन सदस्यीय समिति का गठन करके इस मामले की निष्पक्षता से जाँच-पड़ताल करने के लिए कहा था। जांच टीम द्वारा इस मामले को बहुत बारीकी से जाँच कर रिपोर्ट तैयार की गई है, जो मुख्यमंत्री को सौंपी गई है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार आम लोगों की सरकार है और आम लोगों के पैसे या साधनों की लूट बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सचिव जिला कानूनी सेवाएं अथारिटी ने आब्रजवेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी व जुवेनाइल होम का किया दौरा

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

जिला एवं सत्र न्यायधीश-कम-चेयरमैन जिला कानूनी सेवाएं अथारिटी अमरजोत भट्टी के निर्देशों पर सी.जे.एम-कम-सचिव जिला कानूनी सेवाएं अथारिटी अपराजिता जोशी की ओर से आब्रजवेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी, चिल्ड्रन होम, स्पेशल होम व जुवेनाइल होम का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने उक्त स्थानों में बच्चों की समस्याओं को जाना व उनके खान-पान का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान प्रबंधकों व बच्चों को सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा व उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया। उन्होंने बच्चों को कोविड-19 से बचने के लिए मास्क पहनने, सैनेटाइजर का प्रयोग करने, सामाजिक दूरी बनाए रखने व समय-समय पर कोविड टैस्टिंग करवाने की हिदायत दी।

बागवानी में पंजाब के किसानों के लिए अवसर; सांसद अरोड़ा ने संसद में उठाया प्रश्न

• जालंधर ब्रीज.लुधियाना

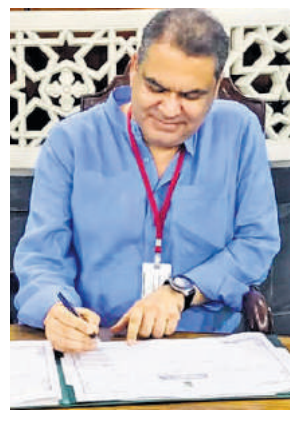

पंजाब के सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा ने पंजाब के किसानों से फूलों की खेती शुरू करने की अपील की है क्योंकि प्रति एकड़ बेहतर रिटर्न के लिए बदलाव समय की जरूरत है। उन्होंने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि किसानों को स्थिति को समझना चाहिए क्योंकि भूमिगत जल खतरनाक स्तर पर कम हो रहा है, इसलिए तुलनात्मक रूप से कम पानी की आवश्यकता वाली खेती बेहतर प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि अब, वर्तमान राज्य सरकार इस चुनौती से निपटने और स्थिति से उभरने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही किसानों को फसलों के विविधीकरण को अपनाना चाहिए। अरोड़ा ने कहा कि केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय देश में बागवानी के समग्र विकास के लिए मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (एम.आई.डी.एच.) योजना चला रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में, उन्होंने राज्यसभा के हालिया सत्र में देश में फूलों की खेती की क्षमता पर सवाल पूछा था और जवाब में, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि सभी राज्य / केंद्र शासित प्रदेश एम.आई.डी.एच. के अंतर्गत आते हैं। एम.आई.डी.एच. के तहत, खुली परिस्थितियों में और साथ ही संरक्षित परिस्थितियों में फूलों की खेती के लिए और रोपण सामग्री आदि की लागत के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

अरोड़ा ने कहा कि इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने सदन को यह भी बताया कि एम.आई.डी.एच. योजना (2014-15 से 2021-22) की स्थापना के बाद से, 71,212 हेक्टेयर क्षेत्र को विस्तार के घटक के तहत खुली परिस्थितियों में फूलों की खेती के तहत लाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा है कि 2022-23 के दौरान एम.आई.डी.एच. के तहत 1309.24 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

बोरवैल/ट्यूबवैल की मुरम्मत/ खुदाई संबंधी सख्त निर्देश जारी

• जालधर ब्रीज.कपूरथला

जिला मैजिस्ट्रेट कम डिप्टी कमिशनर कपूरथला विशेष सारंगल ने बोरवैल/ट्यूबवैल की मुरम्मत/खुदाई संबंधी सख्त निर्देश जारी किए है। दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे कुओं और बोरवैल / ट्यूबवैल खोदने से लोगों और बच्चों के इनमें गिर जाने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए और आम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आदेश जारी किए है। आदेश में कहा गया है कि जमीन मालिक कुआं/बोर खोदने से पहले 15 दिन पूर्व नोटिस जिला कलेक्टर, संबंधित सरपंच ग्राम पंचायत, नगर निगम, नगर परिषद, जन स्वास्थ्य विभाग या भूमि संरक्षण विभाग (ग्राउंड वाटर) को 15 दिन पहले सूचित करेगा और कुआं /बोरवैल खोदने या मुरम्मत करने वाली सभी सरकारी/अर्ध सरकारी/निजी एजेंसियों का रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंच एवं कृषि विभाग के अधिकारी शहरी क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य विभाग, भूमि संरक्षण (ग्राउंड वाटर), नगर कौंसिलों के जूनियर इंजीनियर एवं कार्यकारी अधिकारी अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों की मासिक रिपोर्ट तैयार करेंगे और रिपोर्ट की एक कापी अपने दफ्तर में रिर्काड के तौर पर रखेंगे और एक कापी प्रत्येक महीने अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (विकास) कपूरथला को भेजी जाएगी। यह आदेश 24-09-2022 तक लागू रहेगा।

वेस्टइंडीज़ के क्लीन स्वीप के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में दिखा जोश

मुंबई. भारत ने वेस्टइंडीज को वनडे सीरीज में 3-0 से हरा दिया। टीम इंडिया की इस जीत के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कप्तान शिखर धवन और खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की। द्रविड़ ने कहा कि टीम काफी युवा है और इसके बावजूद अच्छा प्रदर्शन कर जीत हासिल की। भारत की जीत में शुभमन गिल का अहम योगदान रहा. उन्होंने आखिरी मैच में 98 रनों की पारी खेली। धवन ने भी जीत को लेकर ड्रेसिंग रूम में प्रतिक्रिया दी और खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया।

द्रविड़ ने कहा, "हमारी टीम काफी युवा है और टीम ने दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने पिछले तीनों मैचों में जिस तरह से प्रदर्शन किया है, वह प्रभावी है. मुझे लगता है कि शिखर ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया. आप सभी को शुभकामनाएं।"

धवन ने कहा, "मैं पूरी टीम के साथ सपोर्ट स्टाफ को शुक्रिया कहना चाहूंगा। बैटिंग यूनिट के साथ-साथ बॉलिंग यूनिट ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। आप युवा हैं और आगे बढ़ते रहें।" धवन ने अंत में खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए चैम्पियन-चैम्पियन के नारे लगवाए। इस दौरान टीम के सभी खिलाड़ियों ने फोटो क्लिक करवाई।

"मोदी@20 – ड्रीम्स मीट डिलीवरी" पुस्तक पर पैनल चर्चा कार्यक्रम श्रृंखला के उद्घाटन सत्र का आयोजन

• जालंधर ब्रीज.बठिंडा

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा (सीयूपीबी) के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अच्छे वक्ता, विचारक और एक जन नेता हैं जो वसुधैव कुटुम्बकम के प्राचीन भारतीय मूल्य को अपनाकर एक बेहतर दुनिया बनाने के लक्ष्य को साकार करने हेतु कार्य करने के लिए हमेशा तत्पर रहते है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात और भारत के लोगों ने प्रधान मंत्री मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में जीवन के हर क्षेत्र में समावेशी विकास देखा है।

प्रो. तिवारी ने यह बातें "मोदी@20-ड्रीम्स मीट डिलीवरी" पुस्तक पर पैनल चर्चा कार्यक्रम श्रृंखला के उद्घाटन सत्र के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कही। यह कार्यक्रम पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित की जा रही दो-दिवसीय पैनल चर्चा कार्यक्रम श्रृंखला का एक हिस्सा है। इस पैनल चर्चा कार्यक्रम श्रृंखला में कुल चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आज़ादी का अमृत महोत्सव समिति के सदस्य प्रफुल्ल केतकर थे। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. विपन पाल सिंह ने प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि "मोदी @20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी" नामक पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीस साल की राजनीतिक यात्रा को दर्शाती है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.